भाद्रपद शुक्ल पक्ष

20 अगस्त से 2 सितम्बर 2020

ऋतु वर्षा /शरद सूर्य दक्षिणायन

तिथि	दिनांक	सूर्योदय	सूर्यास्त
द्वितीय	20.08.20	5.56	18.52
अष्टमी	26.08.20	5.59	18.45
पूर्णिमा	02.09.20	6.03	18.39

तिथि	वार	नक्षत्र	दिनांक	चन्द्र संचार	व्रत पर्व त्योहार
प्रतिपदा	बुध	–	–	–	प्रतिपदा तिथि का क्षय
द्वितीया	गुरू	पूर्वा फा.	20.08.20	सिंह	चन्द्र दर्शन, बाबा रामदेव जयंती
तृतीया	शुक्र	उत्तरा फा.	21.08.20	कं. 5.14	हरितालिका व्रत, वराह जयंती, गौरीतृतीया
चतुर्थी	शनि	हस्त	22.08.20	कन्या	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्र दर्शन निषेध कलंक–पत्थर चौथ (चन्द्रास्त 21.26) शरद ऋतु आरम्भ
पंचमी	रवि	चित्रा	23.08.20	तुला 6.08	ऋषि पंचमी, जैन संवत्सरी, क्षमावाणी पर्व
षष्ठी	सोम	स्वाती	24.08.20	तुला	सूर्य षष्ठी, हल षष्ठी
सप्तमी	मंगल	विशाखा	25.08.20	वृश्चि. 8.18	मुक्ताभरण–संतान सप्तमी, दूर्वाष्टमी व्रत श्री राधाष्टमी, महालक्ष्मी व्रतारम्भ
अष्टमी	बुध	अनुराधा	26.08.20	वृश्चिक	दधीचि जयंती, हरिदास जयंती, अमृत सिद्धि व सर्वार्थ सिद्धि योग 05.59 से 13.03 तक
नवमी	गुरू	ज्येष्ठा	27.08.20	धनु 12.36	श्री चन्द्र नवमी, नंदा नवमी, महालक्ष्मी व्रत पूर्ण, श्रीमद्भागवत जयंती
दशमी	शुक्र	मूल	28.08.20	धनु	–
एकादशी	शनि	पूर्वाषाढ़	29.08.20	मकर 19.14	दौलग्यारस, पद्मा एकादशी व्रत, वामन जयंती, अगस्तोदय
द्वादशी	रवि	उत्तराषाढ़	30.08.20	मकर	प्रदोष व्रत, सर्वार्थ सिद्धि योग 06.01 से 13.51 तक
त्रयोदशी	सोम	श्रवण	31.08.20	कुम्भ 27.50	पंचक प्रारम्भ 27.50, स. सि. योग 06.02 से 15.05
चतुर्दशी	मंगल	धनिष्ठा	01.09.20	कुम्भ	पंचक, सत्यनारायण व्रत, अनन्त चतुर्दशी
पूर्णिमा	बुध	शतभिषा	02.09.20	कुम्भ	पंचक, प्रोष्ठपदी पूर्णिमा श्राद्ध, महालयारम्भ

पितृपक्ष - श्राद्ध- पितृ-ऋण से निवृत्ति के लिए पितृ-पक्ष के 16 दिनों में श्रद्धापूर्वक तर्पण (पित्रों को जल देना) करना चाहिए। मृत्यु तिथि को सांकल्पिक विधि से श्राद्ध करना, गोग्रास निकालना तथा उनके निमित्त ब्राह्मणों को भोजन करा देने से पितृ प्रसन्न होते हैं और उनकी प्रसन्नता ही पितृ ऋण से मुक्त करा देती है। श्राद्ध के लिए अपारह्न यापिनी तिथि ली जाती है। मृतक का अग्नि संस्कार करने वाले दिन श्राद्ध नहीं किया जाता। मृत्यु होने वाले दिन श्राद्ध करना चाहिए। श्राद्ध भोजन का समय दोपहर का होता है, जिसे कुतुप बेला कहते हैं।